



RAN-2959 - 60

B.A. SEM - IV Examination

March / April - 2019

Hindi Paper CC-9A

&

Hindi Paper - 9 (B) Principal

Hindi Ekanki (Ekanki Kunj)

हिंदी नाटक 'जन्मेजय का नाग - यज्ञ'

सूचना : / Instructions

(1)

नीचे दृष्टविव निशानीवाणी विगतो उत्तरवली पर अवश्य लभवी.

Fill up strictly the details of signs on your answer book

Name of the Examination:

B.A. SEM - IV

Name of the Subject :

Hindi Paper CC-9A & Hindi Paper - 9 (B) Principal

Subject Code No.: 2 9 5 9 & 2 9 6 0

Seat No.:

--	--	--	--	--	--

Student's Signature

RAN-2959

(2) दाहिनी ओर प्रश्नों के अंक दर्शाये गए हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए।

10

- (1) नागों द्वारा कौनसा षड्यंत्र रचा जाता है?
- (2) वपुष्टमा की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।
- (3) 'जन्मेजय का नाग-यज्ञ' नाटक में कितने गीत मिलते हैं? कौन कौन से?
- (4) 'जन्मेजय का नाग-यज्ञ' नाटक के नारी पात्र के नाम लिखिए।
- (5) जन्मेजय के बाण का शिकार कौन बनता है?

2. 'जन्मेजय का नाग-यज्ञ' नाटक का कथानक अपने शब्दों में लिखिए। 13
अथवा
2. एक नाटककार के रूप में जयशंकर प्रसाद का परिचय दीजिए।
3. उत्तंक का पात्रालेखन कीजिए। 13
अथवा
3. मनसा के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। 13
4. टिप्पणी लिखिए। 14
1. 'जन्मेजय का नाग-यज्ञ' नाटक में देशकाल एवं वातावरण।
अथवा
1. 'जन्मेजय का नाग-यज्ञ' नाटक का संवाद।
2. 'जन्मेजय का नाग-यज्ञ' नाटक में अभिनय।
अथवा
2. 'जन्मेजय का नाग-यज्ञ' नाटक का उद्देश्य।

RAN-2960

(2) दाहिनी ओर प्रश्न के अंक दिए गये हैं।

प्रश्न-1 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए। (10)

- 1) शिवाजी ने अपने दरबारियों को क्या चेतावनी दी?
- 2) 'ताँबे के कीड़े' एकांकी की क्या विशेषता है?
- 3) सीता की निष्ठा से प्रभावित होकर रावण क्या कहता है?
- 4) मनीषी अपनी माँ से क्यों नफरत करती है?
- 5) 'सूखीडाली' एकांकी के पात्रों के नाम बताइए।

प्रश्न-2 हिन्दी एकांकी के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (13)

अथवा

एकांकी के तत्वों के आधार पर 'दो कलाकार' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न-3 राजरानी सीता का चरित्र-चित्रण कीजिए। (13)

अथवा

'सूखीडाली' एकांकी का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न-4 टिप्पणी लिखिए। (14)

अ) 'ताँबे के कीड़े' नामकरण।

अथवा

'शिवाजी का सच्चा स्वरूप' एकांकी का उद्देश्य।

ब) एकांकी और नाटक में अंतर।

अथवा

एकांकी के तत्व।